18. छोटी का कमाल

समरसिंह थे बहुत अकड़ते,
छोटी, कितनी छोटी।

मैं हूँ आलू भरा पराँठा,
छोटी पतली रोटी।

मैं हूँ लंबा, मोटा तगड़ा,
छोटी पतली दुबली।

मैं मोटा पटसन का रस्सा,
छोटी कच्ची सुतली।

लेकिन जब बैठे सी-सॉ पर,
होश ठिकाने आए,

छोटी जा पहुँची चोटी पर,
समरसिंह चकराए।

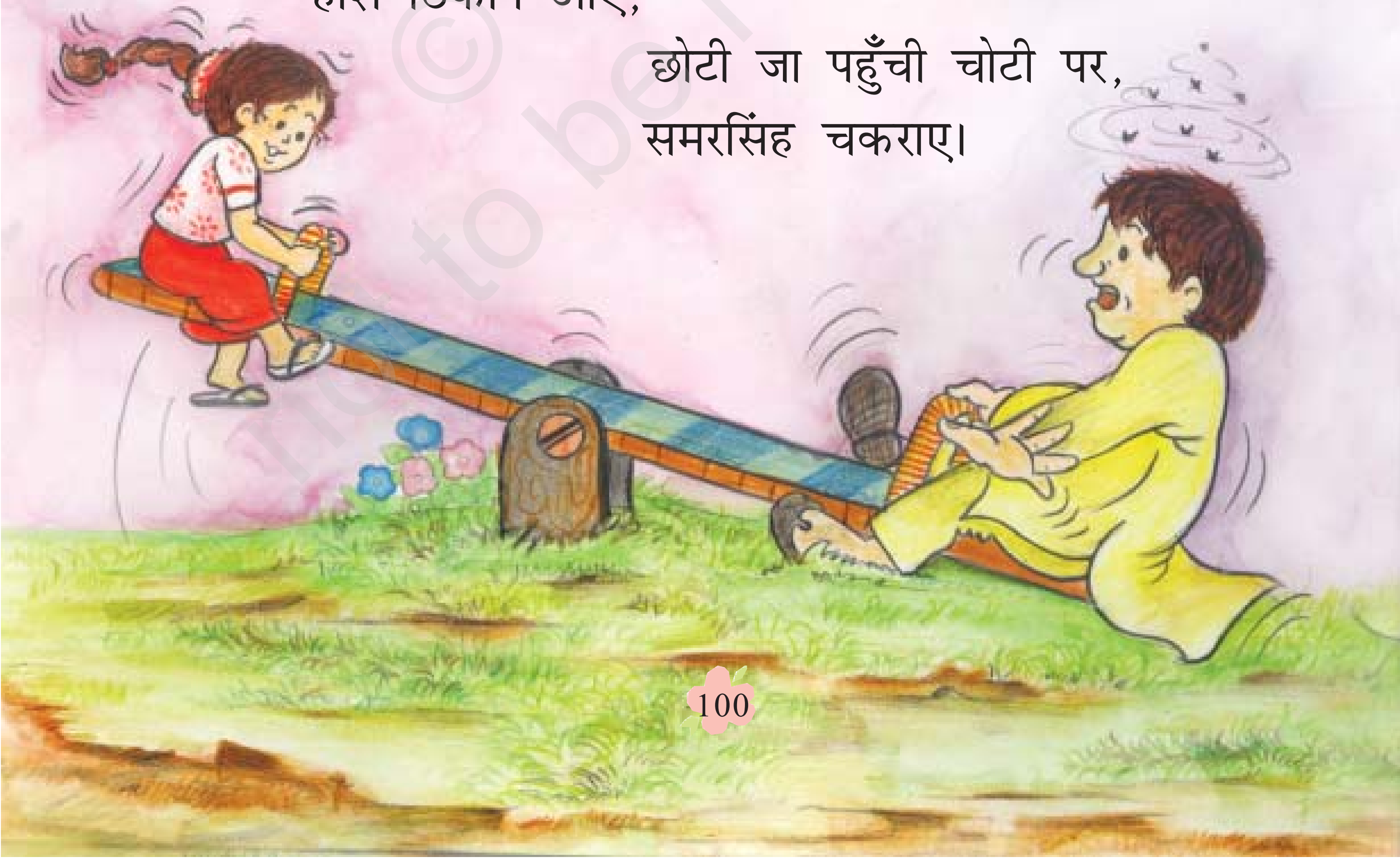

© NCERT not to be republished

पहुँचेगा कौन चोटी पर?

मोटा–तगड़ा समरसिंह नीचे रह गया।
पतली–दुबली छोटी ऊपर पहुँच गई।

बताओ इनमें से कौन ऊपर जाएगा, कौन नीचे रह जाएगा?

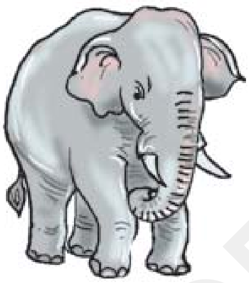

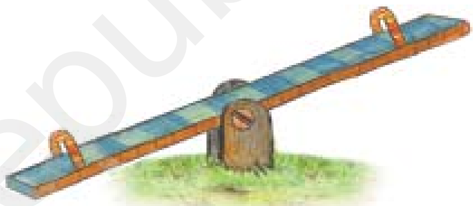
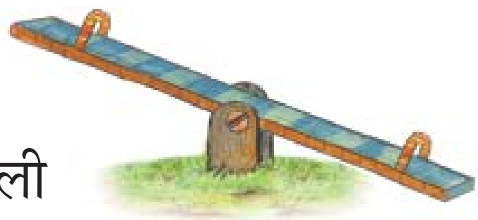

तुम तुम्हारा दोस्त/सहेली

गोला लगाओ?

समरसिंह बहुत अकड़ते थे। इनमें से कौन–कौन अकड़ेगा?

राजा कक्षा का मॉनीटर सुहानी

पहलवान शेर चोर तुम्हारा दोस्त

- बच्चों से सी–सॉ पर चित्र बनवाए जा सकते हैं। बच्चों से पूछें सी–सॉ को वे अपनी भाषा में क्या कहते हैं?

© NCERT not to be republished